

No. of Printed Pages : 7

PGDT-02

अनवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

पी.जी.डी.टी.-02 : अनवाद का भाषिक

और सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : दोनों भागों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

भाग-I

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर

लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। सभी प्रश्नों

के अंक समान हैं।

3×20=60

1. अनवाद के संदर्भ में वाक्य के विभिन्न घटकों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

2. पारिभाषिक शब्द से क्या अभिप्राय है ? पारिभाषिक शब्दावली के लक्षणों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
3. 'अनवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान' पर एक निबंध लिखिए।
4. दूर शिक्षा की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसमें अनवाद की आवश्यकता के स्तरों पर प्रकाश डालिए।
5. भाषा विकास में अनवाद के योगदान के विविध रूपों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. प्रशासनिक कार्यों में अनवाद की आवश्यकता और प्रशासन में अनवाद संबंधी व्यवस्था का विवेचन कीजिए।

भाग-II

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनवाद कीजिए : 15
Mahatma Gandhi's philosophy of non-violence is probably his most important contribution.

This philosophy of non-violence is known as Ahimsa. Most noteworthy, Gandhiji's aim was to seek independence without violence. He decided to quit the Non-cooperation movement after the Chauri-Chaura incident. This was due to the violence at the Chauri-Chaura incident. Consequently, many became upset at this decision. However, Gandhi was relentless in his philosophy of Ahimsa. Secularism is yet another contribution of Gandhi. His belief was that no religion should have a monopoly on the truth. Mahatma Gandhi certainly encouraged friendship between different religions.

8. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनवाद कीजिए : 15
- आजकल मात्रा विविधता और जटिलता की दृष्टि से सरकारी कामकाज में वृद्धि हुई है। अब कल्याण संबंधी

कार्यकलापों पर अपेक्षाकृत अधिक बल दिया जाता है। केन्द्र और राज्य सरकारों ने सामाजिक व्यवस्था में बेहतर परिवर्तन लाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। लोग सरकार से यह आशा करते हैं कि इन कार्यकलापों के ठोस और उपयोगी परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि नीति और कार्यक्रम निर्धारित करने तथा आवश्यक सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी मंत्रिपरिषद और सचिवों की होती है फिर भी क्षेत्र विभाग इन नीतियों और कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं। मंजूरी; कार्रवाई करने की आजादी और आवश्यक सहायता मिल जाने पर विभागाध्यक्षों को अच्छे परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए। उनकी यह जिम्मेदारी है कि वे

[5]

PGDT-02

सरकारी तंत्र को सव्यवस्थित रखें और योजना के अनुसार अभीष्ट लक्ष्य प्राप्त करने की दृष्टि से अपने सहयोगियों के बीच उत्साह की भावना बनाए रखें। नियम, विनियम और विभागों की संरचना ऐसी होनी चाहिए कि प्रशासन अपना कार्य गति और दक्षता के साथ कर सके। प्रत्येक स्तर पर जिम्मेवारियाँ निर्धारित होनी चाहिए और उनके पास पर्याप्त शक्तियाँ और संसाधन होने चाहिए ताकि विभाग आसानी और तीव्र गति से कार्य कर सके। इस सब व्यवस्था से यह अपेक्षा की जाती है कि सभी विभागाध्यक्ष और उनका स्टाफ समचित ढंग से कार्य कर रहा है।

P. T. O.

[6]

PGDT-02

9. निम्नलिखित नमना (सैंपल) प्रश्न-पत्र का हिन्दी में अनवाद कीजिए : 10

Term-End Examination

Entrepreneurship and Marketing

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer any **five** questions. Q. No. 8 is compulsory. All questions carry equal marks.

1. Differentiate between the entrepreneur and gambler.
2. Write the ways of generating creative ideas for entrepreneurship.
3. Define business. Write the features of business.
4. Discuss the steps essential for any businessman to evaluate a business idea.
5. What is ratio analysis ? Discuss any *four* ratios used in controlling the affairs of a business.
6. What is meant by project report ? Elucidate the aspects covered in a project report.

7. What are different alternative pricing policies that an entrepreneur follows ?
8. Write short notes in about **250** words each on any *two* of the following : $10 \times 2 = 20$
- (a) Joint ventures
 - (b) Fixed cost
 - (c) Long-term finance
 - (d) Sales promotion